भीलवाड़ा फोकस

भीलवाड़ा की बात, फोकस के साथ.....

DIGITAL – EPAPER

RNI No. : RJHIN/25/A0890

वर्ष - 01 | अंक - 38 | प्रधान संपादक - कपिल विजयवर्गीय | बिजौलिया - गुरुवार, 24 जुलाई 2025 | मूल्य - 1 रुपया | मो.- 86967 95959 | पृष्ठ - 4

निम्बाहेड़ा में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की जनसभा, जन आशीर्वाद समारोह में दी 700 करोड़ की सौगात

भीलवाड़ा फोकस @ चितौड़गढ़

जिले के निम्बाहेड़ा में बुधवार को मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कॉलेज ग्राउंड में आयोजित जन आशीर्वाद समारोह को संबोधित किया। इस अवसर पर उन्होंने निम्बाहेड़ा विधानसभा क्षेत्र के लिए लगभग 700 करोड़ रुपये से अधिक की विकास योजनाओं की सौगात दी। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने 167 कार्यों का शिलान्यास और 67 कार्यों का लोकार्पण किया।

मुख्यमंत्री ने कृषि उपज मंडी परिसर में स्थापित देवी अहिल्याबाई होलकर की साढ़े चार क्विंटल वजनी प्रतिमा का अनावरण किया। इसके साथ ही उन्होंने मंडी परिसर में लगाए गए प्रदर्शनी स्टॉलों का अवलोकन किया, जिनमें 18 स्टॉल विभिन्न सरकारी विभागों की योजनाओं पर आधारित थे और 2 स्टॉल सीमेंट उद्योगों की सीएसआर गतिविधियों से जुड़े हुए थे।

सभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कांग्रेस पर निशाना साधा और कहा कि पिछली सरकार के कार्यकाल में पेपर लीक जैसे गंभीर मामलों ने युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ किया, लेकिन मौजूदा सरकार ने इस दिशा में तत्काल सख्त कदम उठाए हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश की भाजपा सरकार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में काम कर रही है और ईआरसीपी जैसी जल परियोजनाओं के माध्यम से प्रदेश के जल संकट को दूर करने की दिशा में ठोस प्रयास किए जा रहे हैं।

कार्यक्रम से लौटते समय मुख्यमंत्री का काफिला जब निम्बाहेड़ा के अहिंसा सर्किल के पास पहुंचा तो अचानक एक चाय की दुकान पर कुछ देर के लिए रुका। मुख्यमंत्री ने वहां आमजन के बीच चाय पी और दुकानदार को यूपीआई के माध्यम से ऑनलाइन भुगतान किया। उनका यह व्यवहार स्थानीय लोगों के बीच चर्चा का विषय बन गया और 'डिजिटल इंडिया' की मिसाल के रूप में देखा गया।

इससे पूर्व मुख्यमंत्री बारिश के बीच हेलिकॉप्टर से कॉलेज ग्राउंड स्थित हेलीपैड पर उतरे, जहां विधायक श्रीचंद कृपलानी और अन्य जनप्रतिनिधियों ने उनका स्वागत किया। बारिश के बावजूद बड़ी संख्या में लोग जनसभा में पहुंचे और पूरे उत्साह के साथ कार्यक्रम में भाग लिया।

धनखड़ के इस्तीफे को लेकर गहलोत के बयान पर बीजेपी का पलटवार

मदन राठौड़ ने गहलोत को दी नसीहत– 'बीमार व्यक्ति की स्थिति पर बयान देने से पहले सोचें'

भीलवाड़ा फोकस @ जयपुर

बीजेपी प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ ने पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को नसीहत देते हुए कहा, ÷पहला सुख निरोगी काया - जब कोई व्यक्ति अस्वस्थ होता है, तब राजनीति नहीं, स्वास्थ्य की प्राथमिकता होती है। स्वस्थ होंगे तो फिर राजनीति कर लेंगे।÷ यह प्रतिक्रिया उन्होंने उस बयान पर दी, जिसमें गहलोत ने उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ के इस्तीफे को 'दबाव में लिया गया फैसला' बताया था।

राठौड़ ने सवाल उठाते हुए कहा, ÷गहलोत साहब ना तो डॉक्टर हैं, और ना ही जगदीप धनखड़ के निजी चिकित्सक। फिर किस आधार पर वे कह सकते हैं कि इस्तीफा बीमारी की वजह से नहीं, बल्कि किसी दबाव में दिया गया? उन्होंने यह भी कहा कि जब कोई व्यक्ति स्वयं अस्वस्थता का हवाला देकर पद से इस्तीफा देता है, तो उस पर अविश्वास नहीं जताया जाना चाहिए।

मदन राठौड़ ने याद दिलाया कि कुछ समय पहले गहलोत स्वयं गंभीर रूप से बीमार हुए थे, उन्हें अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा था, और एक बार भाषण के दौरान भी वे मंच पर बैठने को मजबूर हो गए थे। ऐसे में जब खुद की स्थिति का उन्हें अंदाजा नहीं रहता, तो दूसरों की तबीयत पर टिप्पणी करना दुर्भाग्यपूर्ण है, धनखड़ के इस्तीफे के बाद बीजेपी जाट समुदाय को कैसे साधेगी, इस सवाल पर राठौड़ ने स्पष्ट किया कि भाजपा जाति की नहीं, सेवा की राजनीति करती है।

उन्होंने कहा, ÷हम उस व्यक्ति को अवसर देते हैं जो मेहनत करता है और जनसेवा को प्राथमिकता देता है। सिर्फ जाति के आधार पर कोई मौका नहीं मिलेगा। प्रदेशाध्यक्ष ने कहा कि भाजपा सर्वसमाज के विकास में विश्वास रखती है। हम जाति, धर्म, संप्रदाय में भेद नहीं करते। जो योग्य है, उसे ही आगे बढ़ाते हैं। मैं अन्य राजनीतिक दलों से भी निवेदन करता हूं कि वे क्षेत्रीय और जातिगत राजनीति न करें। राठौड़ ने परोक्ष रूप से कांग्रेस और अन्य दलों को निशाने पर लेते हुए कहा, कोई भील प्रदेश बनाने की बात करता है, कोई मरूप्रदेश की। ये सब समाज को बांटने की साजिश है। हमें चाहिए कि हम जातिविहीन और योग्यता आधारित राजनीति की ओर बढ़ें।

अवैध खनन पर सख्त प्रशासन, खारी नदी से बजरी निकालने वाले माफियाओं पर कार्रवाई

डीएसटी की दबिश में 7 ट्रैक्टर-ट्रॉली, जेसीबी व लोडर जब्त

भीलवाड़ा फोकस @ भीलवाड़ा

जिला विशेष टीम (डीएसटी) ने बुधवार को आसींद थाना क्षेत्र के परासोली गांव में बड़ी कार्रवाई करते हुए खारी नदी से हो रहे अवैध बजरी खनन पर शिकंजा कसा। लगातार मिल रही ग्रामीणों की शिकायतों के आधार पर टीम ने मौके पर दबिश दी, जहां बिना अनुमति के बजरी निकाली जा रही थी। कार्रवाई के दौरान सात ट्रैक्टर-ट्रॉली बजरी से भरे हुए मिले, एक ट्रॉली खाली थी, जबकि एक जेसीबी मशीन और एक लोडर भी खनन कार्य में लिप्त मिले। टीम ने सभी वाहनों और मशीनरी को जब्त कर आसींद थाना परिसर में खड़ा करवाया। ग्रामीणों का कहना है कि खारी नदी से लंबे समय से अवैध बजरी दोहन हो रहा था, जिससे पर्यावरण को नुकसान हो रहा था और आवागमन में भी दिक्कतें पेश आ रही थीं। वे इस मुद्दे पर प्रशासन से लगातार कार्रवाई की मांग कर रहे थे। डीएसटी की इस सख्त कार्रवाई से बजरी माफियाओं में हड़कंप मच गया है। पुलिस अब दोषियों की पहचान कर आगे की कानूनी कार्रवाई में जुट गई है।

8 लाख की ठगी कर शादी से मुकरने वाले गिरोह के 3 सदस्य गिरफ्तार

फर्जी रिश्ते, फर्जी रोका, और फिर फरार हो गए आरोपी

भीलवाड़ा फोकस @ सीकर

ज़िले के थोई थाना पुलिस ने शादी के नाम पर 8 लाख की ठगी करने वाले तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गिरोह में शामिल एक आरोपी ने अपनी बेटियों की शादी तय करने का नाटक रचा, जबकि बाकी दो साथियों के साथ मिलकर रुपये ऐंठ लिए और फिर फरार हो गए।

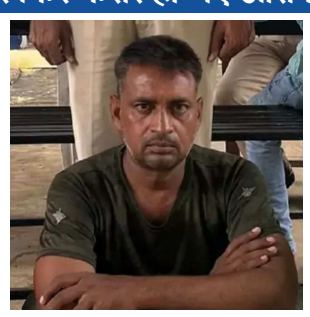

थाना प्रभारी महेंद्र कुमार ने बताया कि यह मामला गढ़वालों की ढाणी निवासी शीशराम की ओर से दर्ज कराया गया था। परिवार ने अपने दो बेटों की शादी के लिए बनवारीलाल नामक व्यक्ति से संपर्क किया, जिसने आरोपियों से मुलाकात करवाई।

मथुरा निवासी श्रीपाल, डीग का सुंदरसिंह और रामगढ़ के खेड़ी गांव का रामचरण, तीनों आरोपियों ने घर आकर लड़कियों की फोटो दिखाई और आर्थिक तंगी का हवाला देते हुए 10 लाख की मांग की। पीड़ित परिवार ने 8 लाख रुपए दे दिए और फरवरी 2024 में रोका भी कर लिया। शादी की तारीख 17 अप्रैल तय थी, लेकिन उससे तीन दिन पहले आरोपियों ने मोबाइल बंद कर लिए। जब परिवार उनके पते पर पहुंचा, तो तीनों गायब मिले। पूछने पर श्रीपाल ने साफ मना कर दिया कि वह शादी नहीं करवाएगा, उल्टा झूठे केस में फंसाने की धमकी दी।

पुलिस ने अलग-अलग स्थानों पर दबिश देकर तीनों को गिरफ्तार किया। पूछताछ में सामने आया कि सुंदरसिंह इस गैंग का सरगना है। फोटो में दिखाई गई लड़कियां श्रीपाल की ही बेटियां हैं, जबकि रामचरण सारा जाल फैलाने में मदद करता था। इनके खिलाफ चौमूं थाने में भी इसी तरह का मामला दर्ज है।

भीलवाड़ा फोकस

भीलवाड़ा की बात फोकस के साथ

एक सशक्त पत्रकारिक मंच से जुड़ने का सुनहरा अवसर!

"भीलवाड़ा फोकस" को अपने नेटवर्क के विस्तार हेतु योग्य एवं उत्साही संवाददाताओं की जहाजपुर | गुलाबपुरा | आसिंद | मांडल | गंगापुर | माण्डलगढ़ । बदनौर सहित भीलवाड़ा जिला मुख्यालय पर अनुभवी क्राइम रिपोर्टर की आवश्यकता है ।

क्या आपके पास है –

- समाचारों को पकड़ने की तेज़ नजर ?
- निष्पक्षता, निडरता और पत्रकारिता के प्रति समर्पण ?
- डिजिटल रिपोर्टिंग या प्रिंट मीडिया का अनुभव ?

तो फिर देर किस बात की? अभी जुड़िए - "भीलवाड़ा फोकस" परिवार के साथ।

संपर्क करें: मो. 8696795959 ईमेल: bhilwarafocus@gmail.com

वेब: www.bhilwarafocus.com

पाइप उतारते वक्त दर्दनाक हादसा – चालक की मौके पर मौत

शाहपुरा में जल जीवन मिशन कार्य के दौरान हुआ हादसा, पुलिस जांच में जुटी

भीलवाड़ा फोकस @ शाहपुरा

शहर में जल जीवन मिशन के तहत पाइप लाइन बिछाने के कार्य के दौरान बुधवार को दर्दनाक हादसा हो गया। पाइप से लदे ट्रेलर से सामग्री उतारते समय एक ट्रक चालक की मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। जानकारी के अनुसार, मृतक सवाईराम पुत्र राणा राम जाट (उम्र 28 वर्ष), निवासी बाड़मेर, ट्रेलर में लोहे के भारी पाइप लेकर शाहपुरा पहुंचा था। अनलोडिंग के दौरान जब वह पाइपों की बेल्ट खोल रहा था, तभी एक भारी पाइप अचानक खिसककर उसके सिर पर आ गिरा। सिर पर गंभीर चोट लगने से उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

सूचना पर शाहपुरा पुलिस मौके पर पहुंची और शव को राजकीय चिकित्सालय के शवगृह में रखवाया गया है। पुलिस ने बताया कि परिजनों के शाहपुरा पहुंचने के बाद पोस्टमार्टम और अग्रिम कार्यवाही की जाएगी।

इस हादसे के बाद जल जीवन मिशन में कार्यरत अन्य ट्रक चालक व मजदूरों में भय और शोक का माहौल है। पुलिस दुर्घटना के कारणों की जांच कर रही है ।

मिड-डे मील का मिल्क पाउडर बैग में भरकर ले जा रहा था शिक्षक, ग्रामीणों ने रोका

बदनपुरा स्कूल का मामला, शिक्षा विभाग से जांच की मांग

भीलवाड़ा फोकस @ जहाजपुर

राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय बदनपुरा स्कूल के एक शिक्षक को ग्रामीणों ने बुधवार को स्कूल से मिड-डे मील योजना का मिल्क पाउडर ले जाते हुए रंगे हाथ पकड़ लिया। मामला सामने आने के बाद शिक्षा विभाग से जांच की मांग की गई है।

जानकारी के अनुसार, स्कूल की छुट्टी के बाद दोपहर करीब एक बजे शिक्षक सचिन टाक अपने बैग में

कुछ सामान लेकर बाहर निकल रहा था। गांव के एक व्यक्ति को शक हुआ और उसने शिक्षक को रोककर बैग की जांच की। बैग में मिल्क पाउडर की तीन थैलियां मिलीं, जो मिड-डे मील योजना के तहत छात्रों को वितरित की जाती हैं।

घटना के दौरान कुछ अन्य ग्रामीण भी मौके पर पहुंच गए। जब उन्होंने शिक्षक से पूछताछ की कि वह यह सामग्री कहां ले जा रहा है, तो वह घबरा गया और दूसरे स्कूल में सप्लाई करने की बात कहने लगा। ग्रामीणों ने जब लिखित आदेश या कोई अधिकृत पत्र मांगा, तो वह कोई दस्तावेज नहीं दिखा सका।

ग्रामीणों ने इस पूरे घटनाक्रम की वीडियो रिकॉर्डिंग भी की, जिसमें शिक्षक के बैग से मिल्क पाउडर निकालते हुए दृश्य साफ तौर पर नजर आ रहे हैं। इस दौरान मौके पर स्कूल के बच्चे भी मौजूद थे ।

ग्रामीणों ने इसकी शिकायत शिक्षा विभाग के अधिकारियों से की है और मांग की है शिक्षक सच में किसी आदेश के तहत सामग्री ले जा रहा था या फिर मामला गंभीर अनियमितता से जुड़ा है।

सांसद दामोदर अग्रवाल ने नान्दसा स्तंभ को राष्ट्रीय धरोहर घोषित करने की मांग की

भीलवाड़ा फोकस @ भीलवाड़ा

सांसद दामोदर अग्रवाल ने लोकसभा के मानसून सत्र में नियम 377 के तहत भीलवाड़ा जिले के गंगापुर क्षेत्र के नान्दसा गांव में स्थित 1800 वर्ष पुराने यूप स्तंभ को राष्ट्रीय धरोहर घोषित करने और स्मारक के रूप में संरक्षित करने की मांग उठाई है।

सांसद प्रवक्ता विनोद झुरानी ने बताया कि यह स्तंभ मालवा के राजा सोम द्वारा 61 रात्रियों तक चले यज्ञ के बाद स्थापित किया गया था। दो स्तंभों के कारण इसे यूप कहा जाता है, जिसे स्थानीय लोग भीमरा और भीमरी के नाम से

जानते हैं। इनमें से एक स्तंभ क्षतिग्रस्त है, जिसका हिस्सा उदयपुर संग्रहालय में रखा गया है।

यह स्तंभ ब्राह्मी लिपि में संस्कृत भाषा में लिखे प्राचीनतम अभिलेखों में शामिल है और उत्तर भारत में अपने प्रकार का अकेला स्तंभ है। इसकी खोज 1927 में पुरातत्व विशेषज्ञ रायबहादुर जी.एस. ओझा ने की थी।

जलधारा विकास संस्थान द्वारा वर्ष 2025 में आयोजित भीलवाड़ा पुराप्राचीन वैभव महोत्सव में भी इसे संरक्षित करने की मांग की गई थी। सांसद अग्रवाल ने कहा कि यह स्तंभ हमारी सांस्कृतिक धरोहर का प्रतीक है और इसका संरक्षण प्राथमिकता होनी चाहिए।

रेलवे ट्रैक पार करते समय ट्रेन की चपेट में आया युवक, मौत

भीलवाड़ा फोकस @ भीलवाड़ा

रामधाम के पास रेलवे ट्रैक पार करते समय ट्रेन की चपेट में आने से अंबेडकर कॉलोनी निवासी युवक की मौत हो गई। पुलिस के अनुसार मृतक प्रकाश (30) पिता छोटूलाल हरिजन मंगलवार रात शौच के लिए निकला था, तभी ट्रैक पार करते वक्त हादसा हुआ। मौके पर ही उसकी मौत हो गई। सूचना पर पहुंची कोतवाली व जीआरपी पुलिस ने शव का बुधवार

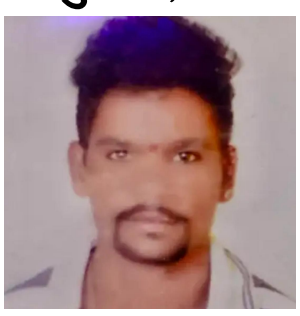

पोस्टमार्टम को करा परिजनों को सुपुर्द किया है। ।

डोडा चूरा तस्करी के मामले में छह साल से फरार आरोपी गिरफ्तार

भीलवाड़ा फोकस @ हमीरगढ़

पुलिस ने डोडा चूरा तस्करी के एक पुराने मामले में लंबे समय से फरार चल रहे इनामी आरोपी जोताराम उर्फ अशोक बिश्नोई को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी की गिरफ्तारी पर भीलवाड़ा पुलिस अधीक्षक की ओर से 10,000 का इनाम घोषित था।

थाना प्रभारी संजय गुर्जर ने बताया कि 21 जनवरी 2019 को पुलिस ने स्वरूपगंज चौराहे पर नाकाबंदी की हुई थी । इस दौरान एक संदिग्ध कार को रोककर तलाशी ली थी, जिसमें से 60 किलो अवैध डोडा चूरा बरामद हुआ था। उस वक्त कार में मौजूद दो लोगों अशोक बिश्नोई और मांगीलाल बिश्नोई को गिरफ्तार किया गया था, जबकि डोडा मंगवाने वाला व वाहन मालिक जोताराम मौके से फरार हो गया था।

छह साल से पुलिस उसे पकड़ने के लगातार प्रयास कर रही थी, लेकिन वह हर बार बच निकलता रहा। हाल ही में डीएसटी टीम से मिले इनपुट के आधार पर जोधपुर जिले के कानासर गांव में दबिश देकर उसे गिरफ्तार कर लिया।

गिरफ्तारी की कार्रवाई में थाना प्रभारी संजय गुर्जर, साइबर सेल एएसआई आशीष मिश्रा, हेड कांस्टेबल कालूराम, कांस्टेबल कन्हैयालाल, राकेश, घीसूलाल और भजनलाल शामिल रहे ।

बाणमाता शक्तिपीठ गोवटा बांध परिसर में हुआ पौधरोपण, 551 पौधे लगाए

भीलवाड़ा फोकस @ आकोला

(रमेश चंद्र डाड)। एक पेड़ माँ के नाम÷ अभियान के तहत मेवाड़ के प्रसिद्ध धार्मिक स्थल बाणमाता शक्तिपीठ गोवटा बांध परिसर में पौधरोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। महंत बालकदास महाराज के मार्गदर्शन में हुए इस कार्यक्रम में बाणमाता मंदिर कमेटी की ओर से पौधरोपण किया गया।कार्यक्रम के तहत बाणमाता परिसर में कुल 551 पौधे लगाए गए। संस्था द्वारा इन पौधों की सुरक्षा एवं नियमित रूप से सिंचाई की व्यवस्था भी सुनिश्चित की गई है।

मंदिर कमेटी अध्यक्ष अशोक शर्मा ने बताया कि इस अवसर पर क्षेत्रीय विधायक गोपाल खंडेलवाल, जिला परिषद सदस्य हरिलाल जाट, पंचायत समिति सदस्य धनराज जाट, पूर्व सरपंच रामप्रसाद जाट, विधायक प्रतिनिधि मनोज सनाढ्य, बद्रीलाल जाट, प्रभुनाथ योगी, गणेश जाट, रामचंद्र जाट व उपसरपंच मोडूलाल सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

कोटड़ी श्याम मंदिर मेले की तैयारियों का पुलिस उपाधीक्षक ने लिया जायजा

भीलवाड़ा फोकस @ कोटड़ी।

हरियाली अमावस्या पर कोटड़ी स्थित श्याम मंदिर में लगने वाले मेले को लेकर बुधवार शाम को पुलिस उपाधीक्षक रविन्द्र कुमार यादव ने व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। उन्होंने मेले स्थल पर पार्किंग, छाया, पेयजल और दर्शन व्यवस्था का जायजा लिया और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

डीएसपी यादव ने मेले में आने वाले श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए बेरिकेटिंग, सुचारु पार्किंग व्यवस्था और दर्शन प्रबंधन को लेकर संबंधित अधिकारियों और ट्रस्ट पदाधिकारियों से चर्चा की। साथ ही चारभुजा मंदिर में स्थायी पुलिस चौकी स्थापित करने की आवश्यकता भी जताई।

इस मौके पर कोटड़ी भाजपा मंडल अध्यक्ष प्रहलाद सेन, थाना प्रभारी महावीर प्रसाद मीणा, चारभुजा मंदिर ट्रस्ट अध्यक्ष सुदर्शन गाड़ोदिया, राघव आचार्य, अरविंद प्रजापत, सेवादार प्रकाश जोशी, श्यामसुंदर शर्मा सहित कई लोग मौजूद रहे।

'भीलवाड़ा फोकस'
अपने शहर और गाँव के समाचार, सूचनाएँ, सार्वजनिक घोषणाएँ या विज्ञापन प्रकाशित करवाने के लिए संपर्क करें।
Mo.– 8696795959
Bhilwarafocus@gmail.com
BHILWARA FOCUS
भीलवाड़ा की बात, फोकस के साथ

QUICK BITES

पप्पू धाकड़ बने धाकड़ महासभा युवा संघ के राष्ट्रीय संगठन मंत्री

भीलवाड़ा फोकस @ बिजौलिया

(नरेश धाकड़)। छोटी बिजौलिया निवासी पप्पू धाकड़ को श्री धाकड़ महासभा युवा संघ का राष्ट्रीय संगठन मंत्री नियुक्त किया गया है। यह घोषणा संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. अर्जुन धाकड़ ने की। नियुक्ति पर ऊपरमाल क्षेत्र में खुशी का माहौल रहा, युवाओं ने पप्पू धाकड़ का माल्यार्पण कर स्वागत किया। साथ ही पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष इंजीनियर कन्हैया लाल धाकड़ और महिला इकाई प्रदेश अध्यक्ष दीपशिखा धाकड़ का भी आभार जताया गया। डॉ. अर्जुन ने पप्पू से संगठन की नीतियों और उद्देश्यों के पालना की अपेक्षा जताते हुए राष्ट्रीय स्तर पर संगठन को सशक्त करने की कामना की है ।

निरंकारी सत्संग में गूंजे भक्ति के स्वर, गुरु वचनों पर चलने का दिया संदेश

भीलवाड़ा फोकस @ माण्डलगढ़

नगर की नई आबादी स्थित झुलेलाल मंदिर धर्मशाला में बुधवार को निरंकारी सत्संग का आयोजन किया गया। सत्संग का संचालन उत्तर प्रदेश के मथुरा से पधारी बहन लक्ष्मी के सान्निध्य में हुआ। सत्संग में बहन लक्ष्मी ने कहा कि जो भक्त एक राम को मानकर गुरु वचनों के सहारे चलते हैं, उनके जीवन में सुख-समृद्धि स्वतः आ जाती है। सत्संग श्रवण से मन, मस्तिष्क और ध्यान ईश्वर से जुड़ा रहता है, जिससे आध्यात्मिक ऊर्जा प्राप्त होती है। इस अवसर पर स्थानीय संतों द्वारा बहन का स्वागत-सम्मान किया गया। सत्संग में निरंकारी ब्रांच माण्डलगढ़ के मुखी महात्मा दुर्गालाल, रामलाल रानीखेड़ा , राधेश्याम, रतनलाल, राजकुमार जी, सुनील, अनिल सहित नगर के अनेक संतगण उपस्थित रहे।

कन्या महाविद्यालय में वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित

'हरियालो राजस्थान' अभियान के तहत छात्राओं ने लिया संरक्षण का संकल्प

भीलवाड़ा फोकस @ भीलवाड़ा

सेठ मुरलीधर मानसिंहका राजकीय कन्या महाविद्यालय में 'हरियालो राजस्थान' कार्यक्रम के अंतर्गत राष्ट्रीय सेवा योजना के सहयोग से वृक्षारोपण किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्य डॉ. सावन कुमार जांगिड़ ने की।

प्राचार्य सहित संकाय सदस्यों और छात्राओं ने कॉलेज परिसर में पौधे लगाए और पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया। प्राचार्य ने पेड़ों की महत्ता बताते हुए अधिक से अधिक वृक्षारोपण करने का संदेश दिया।

इस अवसर पर डॉ. के.सी. गुप्ता, डॉ. सरोज मेहता सहित स्टाफ व छात्राएं मौजूद रहीं।

सोडियास गांव में शिक्षकों की लेटलतीफी से नाराज़ ग्रामीणों ने विद्यालय पर जड़ा ताला

समय पर नहीं आने वाले शिक्षकों के खिलाफ जताया आक्रोश

भीलवाड़ा फोकस @ कोटड़ी

। उपखंड क्षेत्र के सोडियास गांव में बुधवार सुबह राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय पर ग्रामीणों ने शिक्षकों की लेटलतीफी से नाराज़ होकर विद्यालय के मुख्य गेट पर ताला जड़ दिया। ग्रामीणों का आरोप था कि शिक्षक समय पर विद्यालय नहीं पहुंचते, जिससे बच्चों की पढ़ाई प्रभावित हो रही है।

ग्रामीण कमलेश सिंह राणावत ने बताया कि पूर्व में कई बार शिक्षकों की शिकायत की गई, लेकिन कोई सुधार नहीं हुआ। इस पर नाराज़ ग्रामीणों ने 8 बजे विद्यालय का गेट बंद कर दिया। जो शिक्षक समय पर पहुंचे, उन्हें अंदर जाने दिया गया, जबकि देरी से पहुंचने वाले अध्यापकों को बाहर खड़ा रहना पड़ा। करीब आधे घंटे की समझाइश के बाद ग्रामीणों ने ताला खोला। शिक्षकों ने आश्वासन दिया कि भविष्य में सभी शिक्षक समय पर विद्यालय आएंगे।

गरीब श्रमिक की बेटियाँ बनीं हिम्मत की तस्वीर, निभाया अंतिम संस्कार का धर्म

भीलवाड़ा फोकस @ भीम

सामाजिक बदलाव और बेटियों की मजबूती की मिसाल बुधवार को भीम उपखंड के समीप गांव समेलिया में देखने को मिली, जहां 37 वर्षीय श्रमिक डाऊ राम रेगर के निधन के बाद उनकी पांच बेटियों ने पिता को कंधा देकर अंतिम संस्कार किया। यह दृश्य न केवल गांववालों की आंखें नम कर गया, बल्कि एक नई सोच की ओर प्रेरित भी किया।

डाऊ राम की बड़ी बेटी रेखा (19), पायल (17), विद्या (16), प्रतिज्ञा (9) और कृष्णा (6) हैं। सीमित खेती और मजदूरी से परिवार का भरण-पोषण करने वाले डाऊ राम के निधन के बाद बेटियों की पढ़ाई और भविष्य पर संकट गहरा गया है।

इस भावुक मौके पर शिक्षाविद और पूर्व प्रधानाचार्य मोहनलाल उदेनिया ने बेटियों को पिता को कंधा देने के लिए प्रेरित किया। बेटियों ने साहस दिखाते हुए इस जिम्मेदारी को निभाया।डाऊ राम के अंतिम संस्कार के बाद समाजजनों ने भी सहयोग में पहल की। पूर्व अध्यक्ष मोहनलाल उदेनिया की प्रेरणा से समाज की ओर से 35 हजार रुपये की आर्थिक सहायता पीड़ित परिवार को प्रदान की गई। यह घटना समाज में बेटियों की भूमिका को लेकर एक सकारात्मक संदेश बनकर सामने आई है।

माली महासभा के नवनियुक्त पदाधिकारियों का सम्मान

भीलवाड़ा फोकस @ भीलवाड़ा

माली समाज विकास सेवा संस्थान, पुर के तत्वावधान में मंडी के बालाजी परिसर में आयोजित कार्यक्रम में राजस्थान प्रदेश माली (सैनी) महासभा के नवनियुक्त पदाधिकारियों का स्वागत-सम्मान किया गया।

संस्थान के सचिव शंकरलाल गोयल ने बताया कि हरनारायण माली को प्रदेश सचिव, उदयलाल माली को युवा जिलाध्यक्ष और बंशीलाल माली को माण्डल तहसील अध्यक्ष नियुक्त होने पर समाजजनों ने साफा, दुपट्टा और माला पहनाकर उनका सम्मान किया। समारोह में प्रदेश महामंत्री गोपाललाल माली, संस्थान अध्यक्ष भैरूलाल माली, कर्मचारी संघ अध्यक्ष तोताराम माली, सचिव कन्हैयालाल बुलिवाल सहित कई पदाधिकारी व समाजजन मौजूद रहे।

जोगणियामाता भागवत कथा में प्रेमनारायण महाराज का संदेश – बेटियों को दें धर्म और संस्कार

भीलवाड़ा फोकस @ बेंगू

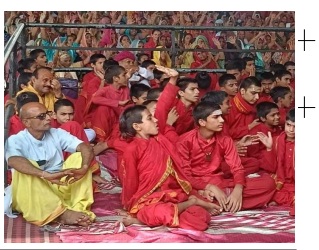

जोगणियामाता में चल रही भागवत कथा के दूसरे दिन व्यासपीठ से प्रेमनारायण महाराज ने कहा कि बेटियों को गहनों से अधिक धार्मिक संस्कार देना चाहिए, क्योंकि वे अपने ससुराल को भी धर्ममय बना सकती हैं। बेटियों को आत्मनिर्भर बनाकर उचित समय पर उनका विवाह करना चाहिए। कथा में उन्होंने कहा कि ÷मैं÷ और मेरा के भाव से जीवन भौतिक सुख दे सकता है, लेकिन आध्यात्मिक नहीं। समाजहित में किया गया कार्य ही सच्ची भक्ति है और इससे जीवन-मरण का चक्र भी छूट सकता है।

गौरतलब है की यह कथा जोगणियामाता शक्तिपीठ प्रबंधन एवं विकास संस्थान के तत्वावधान में चल रही है, जिसमें बेगूं, बिजौलिया व मांडलगढ़ क्षेत्र से हजारों श्रद्धालु पहुंच रहे हैं। ग्रामीण श्रद्धालुओं की व्यवस्था में जुटे हैं।

श्रावण महोत्सव पर टाक समाज का भव्य आयोजन आज

घाटारानी टाक धर्मशाला में होगा लहरिया उत्सव, सम्मान समारोह व सांस्कृतिक कार्यक्रम

भीलवाड़ा फोकस @ जहाजपुर

पेसवानी। हरियाली अमावस्या के शुभ अवसर पर 24 जुलाई को घाटारानी माता टाक धर्मशाला में टाक समाज द्वारा श्रावण महोत्सव का भव्य आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम में लहरिया उत्सव, वर्तमान कार्यकारिणी का विदाई समारोह, प्रतिभावान विद्यार्थियों, भामाशाहों एवं विधायक गोपीचंद मीणा सहित अतिथियों का सम्मान किया जाएगा।

समारोह का शुभारंभ सुबह 9 बजे दीप प्रज्वलन व गणेश वंदना से होगा। दिनभर चलने वाले इस आयोजन में अतिथि स्वागत, सामाजिक परिचर्चा, सांस्कृतिक प्रस्तुतियां व सम्मान समारोह होंगे। समापन शाम 5 बजे होगा।

आयोजन को भव्य बनाने के लिए समाज के अनेक सदस्य व्यवस्थाओं में जुटे हैं। मंच संचालन, भोजन, स्वागत, सांस्कृतिक प्रस्तुति और अन्य व्यवस्थाओं के लिए जिम्मेदारियां तय की गई हैं।

कार्यक्रम में श्री टाक महासभा के केंद्रीय अध्यक्ष कंवरलाल टाक सहित देशभर से समाजजन और पदाधिकारी शिरकत करेंगे। विशिष्ट अतिथियों में विधायक गोपीचंद मीणा, भाजपा जिलाध्यक्ष प्रशांत मेवाड़ा और नगर पालिका अध्यक्ष नरेश मीणा भी मौजूद रहेंगे।

श्रावण मास विशेष रिपोर्ट

राजस्थान का पहला 251 किलो पारे से बना पारदेश्वर महादेव

शक्करगढ़ में हो रहा है श्रद्धा, विज्ञान और आस्था का अनूठा संगम

भीलवाड़ा फोकस @ भीलवाड़ा

मूलचंद पेसवानी

शिवभक्ति के पावन महीने श्रावण में राजस्थान के श्रद्धालुओं के बीच एक नया अध्याय जुड़ गया है। भीलवाड़ा जिले के जहाजपुर उपखंड के शक्करगढ़ कस्बे में स्थित श्री संकट हरण हनुमत धाम मंदिर में स्थापित 251 किलो पारे से निर्मित पारदेश्वर महादेव शिवलिंग आज न केवल राजस्थान, बल्कि देशभर के शिवभक्तों के लिए आस्था का प्रमुख केंद्र बन गया है। सावन मास में यहां भक्ति और दर्शनार्थियों का मेला जैसा माहौल बना रहता है।

शिवलिंग के अनेक स्वरूप होते हैं, लेकिन पारे से निर्मित शिवलिंग दुर्लभतम माने जाते हैं। यह 251 किलो का पारद शिवलिंग राजस्थान में अपनी तरह का पहला और अब तक का सबसे भारी शिवलिंग है। यह दिखने में छोटा लगता है, पर इसका वजन सुनकर कोई भी चकित हो सकता है। पारा (पारद) एक तरल धातु है, जिससे ठोस रूप में शिवलिंग बनाना शास्त्र सम्मत प्रक्रिया और तपस्वी संन्यासियों का कार्य है।

पारा न केवल वैज्ञानिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है, बल्कि आध्यात्मिक दृष्टि से भी इसकी महत्ता अनंत है। तापमापी यंत्र (थर्मामीटर) से लेकर दवाओं तक, पारा एक संवेदनशील और उपयोगी धातु है। पारद शिवलिंग का निर्माण चांदी और औषधीय जड़ी-बूटियों को मिलाकर किया जाता है। इसे केवल संन्यासी संत ही बना सकते हैं, गृहस्थों को इसकी अनुमति नहीं होती।

महामंडलेश्वर स्वामी जगदीश पुरी महाराज बताते हैं कि पारद शिवलिंग में त्रिदेव ब्रह्मा, विष्णु और महेश तीनों का वास होता है। इसे स्पर्श, पूजन और अभिषेक करने से व्यक्ति पर किसी भी प्रकार का तांत्रिक या नकारात्मक प्रभाव नहीं होता। यह शिवलिंग मानसिक, शारीरिक और आध्यात्मिक शांति प्रदान करता है।

इस शिवलिंग को सिद्ध संत स्वामी नारदा नंद महाराज द्वारा महाकाल की नगरी उज्जैन में शास्त्रीय विधि से निर्मित किया गया। अमर निरंजनी आश्रम के स्वामी महामंडलेश्वर जगदीश पुरी महाराज के विशेष आग्रह पर इसे 18 फरवरी 2023 को उज्जैन से शक्करगढ़ लाया गया और 22 फरवरी को भव्य प्राण-प्रतिष्ठा समारोह में स्थापित किया गया। तभी से यह स्थान श्रद्धालुओं की आस्था का मुख्य केंद्र बन गया है।

सावन का महीना शिवभक्तों के लिए अत्यंत पूजनीय होता है और इस अवसर पर पारद शिवलिंग के दर्शन एवं अभिषेक का विशेष महत्व होता है। यहां मुंबई, अहमदाबाद, जयपुर, जोधपुर, अजमेर, कोटा, सूरत, ब्यावर समेत दूर-दराज से हजारों श्रद्धालु प्रतिदिन आकर दर्शन एवं पूजन कर रहे हैं। सावन के प्रत्येक सोमवार को यहां विशाल जनसमूह की उपस्थिति से मेले का दृश्य बन जाता है।

पारद शिवलिंग की महिमा बताते हुए मंदिर के आचार्य हंस चेतन्य कहते हैं कि अगर आप किसी अन्य शिवलिंग पर 100 बार अभिषेक करते हैं, तो जितना पुण्य मिलता है, उतना पुण्य पारद शिवलिंग पर एक बार अभिषेक करने से प्राप्त होता है। श्रद्धालु दूध, दही, घी, शहद और शक्कर से अभिषेक करते हैं और पंचामृत को प्रसाद रूप में ग्रहण करते हैं। पूजा में रुद्राभिषेक, शिव चालीसा, महामृत्युंजय जाप जैसे अनुष्ठान दिनभर चलते रहते हैं।

श्री संकट हरण हनुमत धाम केवल शिवलिंग के लिए ही नहीं, बल्कि यहां एक साथ हनुमानजी, राम दरबार, राधा-कृष्ण और पारदेश्वर महादेव के दर्शन का सौभाग्य मिलता है। तीनों मंदिरों के शिखर इतनी ऊँचाई पर स्थित हैं कि दूर से ही उनकी झलक दिखाई देती है।

आश्रम के मीडिया प्रभारी सुरेंद्र जोशी बताते हैं कि पारद शिवलिंग के दर्शन से त्रिदेव का आशीर्वाद मिलता है। इस विशेष शिवलिंग की स्थापना राजस्थान में पहली बार शक्करगढ़ स्थित अमर निरंजनी आश्रम में की गई है। इसका निर्माण न केवल धार्मिक महत्व रखता है बल्कि आध्यात्मिक ऊर्जा और मनोबल बढ़ाने में सहायक है।

यहां दर्शन हेतु आने वाले भक्तों का कहना है कि इस मंदिर में पहुंचते ही आत्मिक शांति की अनुभूति होती है। एक बार जो यहां आता है, वह बार-बार लौटकर आता है। मंदिर परिसर में फैली पवित्रता, मंत्रोच्चार की गूंज और पूजा-पाठ की सकारात्मक ऊर्जा एक अलग ही अनुभूति प्रदान करती है। महामंडलेश्वर स्वामी जगदीश पुरी महाराज के अनुसार जो व्यक्ति जीवन में मानसिक तनाव, रोग या दुःख से ग्रसित है, उन्हें पारदेश्वर महादेव की पूजा अवश्य करनी चाहिए। यह शिवलिंग उनके लिए उपचारात्मक शक्ति का स्रोत बनता है।

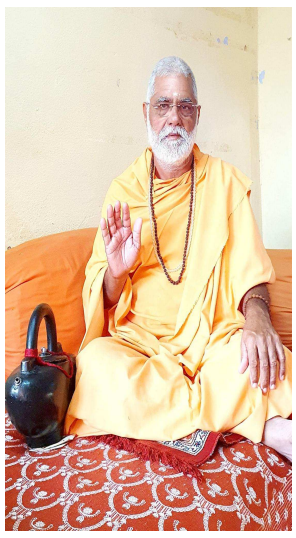

धार्मिक और आध्यात्मिक दृष्टिकोण से भीलवाड़ा जिले का शक्करगढ़ का यह हनुमत धाम अब एक प्रमुख तीर्थ स्थल बनता जा रहा है। यहां आने वाले श्रद्धालु न केवल दर्शन करते हैं, बल्कि स्थानीय संस्कृति, धार्मिक आयोजन और सादगीपूर्ण वातावरण का भी अनुभव करते हैं। इससे क्षेत्रीय अर्थव्यवस्था और पर्यटन को भी बढ़ावा मिल रहा है। श्रावण मास में शिव की भक्ति का विशेष महत्व है, और इस अवसर पर पारे से निर्मित 251 किलो वजनी पारदेश्वर शिवलिंग न केवल अद्भुत चमत्कारिक आस्था का प्रतीक है, बल्कि यह विज्ञान और अध्यात्म के समन्वय का जीवंत उदाहरण भी है। जो भी इस पावन स्थल पर आता है, वह यही कहता है यहां आने से आत्मा को जो शांति मिलती है, वह कहीं और नहीं।

गुलगांव में दो दिवसीय सत्रारंभ संगोष्ठी शुरू, शिक्षा व नवाचार पर हुए सार्थक विमर्श

भीलवाड़ा फोकस @ केकड़ी

(दिलखुश मोटिस), सावर ब्लॉक के प्रधानाचार्यों की दो दिवसीय सत्रारंभ वाकपीठ संगोष्ठी का शुभारंभ बुधवार को राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय गुलगांव में हुआ। कार्यक्रम में भाजपा देहात महामंत्री रामचंद बागड़ी, सरपंच नीरज चौधरी, पंचायत समिति सदस्य रबिन्द्र सिंह राठौड़ व एमएलडी संस्थान के निदेशक चन्द्रप्रकाश दुबे अतिथि रहे।

सीबीईओ मधु गुप्ता व एसीबीईओ नेमीचंद खटीक ने संरक्षक की भूमिका निभाई। अध्यक्षता प्रधानाचार्य विनिता जैन ने की, जिन्होंने अतिथियों का माला व साफा पहनाकर स्वागत किया। पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया।

संगोष्ठी में सुखदेव मीणा, भगवान शर्मा, विनिता जैन, राधे गोविन्द मंडोवरा, रामलाल डडवाडिया, रजगी बडगोतिया, पंकज चावला और आशा हल्दानिया ने विभिन्न शैक्षिक विषयों पर विचार साझा किए।

विद्यालय की बालिकाओं ने स्वागत गीत व सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से माहौल को जीवंत किया। समापन पर सीबीईओ गुप्ता ने ईमानदारी से कार्य करने का आह्वान किया, जबकि एसीबीईओ खटीक ने समयबद्धता और संस्कार निर्माण पर जोर दिया। प्रधानाचार्य विनिता जैन ने सभी का आभार जताया।

QUICK BITES

श्रावण मास में नगर निगम का विशेष आयोजन वार्ड 21 व 58 में हुआ सहस्त्रधारा अभिषेक

भीलवाड़ा फोकस @ भीलवाड़ा

नगर निगम भीलवाड़ा द्वारा श्रावण मास के तहत 70 वार्डों में 70 अभिषेक कार्यक्रमों की श्रृंखला में तेरहवें दिन वार्ड 21 व 58 में सहस्त्रधारा अभिषेक आयोजित किया गया।

वार्ड 58 के नांदेश्वर महादेव मंदिर में भाजपा जिलाध्यक्ष प्रशांत मेवाड़ा व पार्षद मधु शर्मा की उपस्थिति में, जबकि वार्ड 21 के राधे पार्क शिवालय में पार्षद अनिल सिंह जादौन की मौजूदगी में अभिषेक संपन्न हुआ। पंडित योगेन्द्र शर्मा व सहयोगी पंडितों ने विधिवत पूजा-अर्चना कराई। गुरुवार को वार्ड 64 मलान मंदिर में सुबह 9 बजे एवं वार्ड 55 विनायक रेजिडेंसी शिव मंदिर में दोपहर 2 बजे आयोजन होंगे ।

भीलवाड़ा के जूडो खिलाड़ियों ने राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में जीता उपविजेता खिताब

भीलवाड़ा फोकस @ भीलवाड़ा

खंडेला सीकर में आयोजित राज्य स्तरीय जूनियर जूडो प्रतियोगिता में भीलवाड़ा के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 3 स्वर्ण, 4 रजत और 2 कांस्य पदक जीतकर उपविजेता का खिताब अपने नाम किया। कोच चेतन चोबे ने बताया कि प्रतियोगिता में अंकित राजोरा, विनय आचार्य और नेहा जाट ने प्रथम, रामेश्वर जाट, एकता विश्नोई, सुमन गुर्जर, रचना बैरवा ने द्वितीय और करण विश्नोई, हिमांशी विश्नोई ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। जिला खेल अधिकारी हेमेंद्र सिंह राणावत ने विजेताओं का स्वागत कर बधाई दी। श्रीराम व्यायामशाला में जूडो अध्यक्ष गिरीराज चोबे, प्रशिक्षक जगदीश राजोरा, भगवती लाल शर्मा, टिम मैनेजर प्रकाश राजोरा व अन्य पदाधिकारियों ने खिलाड़ियों का सम्मान किया।

चतुर्दशी शिवरात्रि पर नर्मदेश्वर महादेव का अभिषेक व आकर्षक श्रृंगार

भक्तों ने पंचामृत व फलों के रस से किया पूजन

भीलवाड़ा फोकस @ बिजोलिया

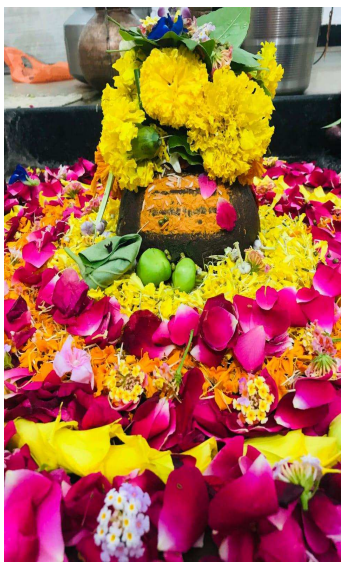

(मानव तिवाडी) । चतुर्दशी शिवरात्रि के पावन अवसर पर देवरी स्थित श्री नर्मदेश्वर महादेव मंदिर में भक्तों द्वारा विशेष पूजन एवं अभिषेक कार्यक्रम आयोजित किया गया। श्रद्धालुओं ने भगवान शिव का पंचामृत व विभिन्न फलों के रस से अभिषेक कर रुद्राभिषेक व पूजन किया। इसके बाद भगवान का मनोहारी श्रृंगार कर भव्य आरती की गई।

कार्यक्रम में श्री नर्मदेश्वर महादेव मंदिर आयोजन समिति के दीपक सोनी, जगदीश धाकड़, डॉ. नानालाल धाकड़, पुजारी दीप जी यादव, महावीर कोली, कुंदन सोनी, आयुष शर्मा, रवि सोनी, विनोद सोनी, ब्रह्मानंद वैष्णव, नवीन टेलर, अजय कोली, नंदन सोनी, कैलाश कोली सहित कई श्रद्धालु उपस्थित रहे।

स्वत्वाधिकारी एवं प्रकाशक कपिल विजयवर्गीय के लिए मुद्रक वेदान्त प्रभाकर मेधा कप्यूटर्स एण्ड ऑफसेट प्रिन्टर्स नंदभवन, बड़े पार्क के पास, कांवाखेड़ा भीलवाड़ा (राज.)से मुद्रित व मकान न. - 1 ए - धानमंडी योजना, कोर्ट के सामने बिजौलिया , भीलवाड़ा (राज.) से प्रकाशित। संपादक - श्याम सुन्दर विजयवर्गीय । मो. 8696795959, RNI No. : RJHIN/25/A0890